THE VILLAGE
INTERNATIONAL SCHOOL
"We Nurture Dreams"

DATE- 04/ 10 / 2024 GRADE- 9 AB	TERM -1 [2024 -25] HINDI [2ND Language]	Max marks- 80 Time – 3 Hrs

सामान्य निर्देश :
1. निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए |
2. इस प्रश्न पत्र में दो खंड हैं –'अ' व 'ब'| दोनों खंड अनिवार्य है |
3. प्रश्नों के उत्तर अंक अनुसार व क्रमानुसार दीजिए |

खंड – 'अ'- वस्तुपरक प्रश्न

प्रश्न		अंक
I	नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए	
	प्रकृति का संतुलन बिगड़ने की दशा में मनुष्य दो -तीन वर्षों के दौरान इतना बढ़ चुका है कि अब पीछे हटना असंभव सा लगता है । जिस गति से हम विभिन्न क्षेत्रों में प्राकृतिक संतुलन बिगड़ते रहते है ,उसमे कोई भी कमी व्यावहारिक नहीं प्रतीत होती,क्योंकि हमारी अर्थव्यवस्थाएँ और दैनिक आवश्कताएँ उस गति के साथ जुड़ सी गई है । क्या हमें ज्ञात नहीं कि जिसे हम अपना आहार समझ रहे है वह वस्तुतः हमारा दैनिक विष है ,जो सामूहिक आत्महत्या की दिशा में हमें लिए जा रहा है ? जंगलों को ही ले लो यह एक प्रकट तथ्य है कि विभिन्न देशों की वन संपत्ति अत्यंत तीव्र गति क्षीण होती जा रही है । भारत के विभिन्न प्रदेशों विशेषकर पूर्वांचल के राज्यों, तराई,उत्तर प्रदेश ,हिमाचल प्रदेश आदि के जंगल भरी संख्यां में काटे जा रहे है । खूब अच्छी तरह यह जानते हुए भी जंगलों को काटने का मतलब होगा भूमि को आरक्षित करना, बाढ़ों को बढ़ावा देना और मौसम के बदलने में सहायक बनना ।	
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए -	
1.	प्रकृति का संतुलन बिगड़ने का कार्य कौन कर रहा है ? a) मनुष्य b) पशु c) आदिमानव d) पेड़ -पौधे	1
2.	हमारा दैनिक विष क्या है ? a) तम्बाकू सेवन b) मदिरा सेवन c) भोज्य पदार्थ d) शीतल पेय	1
3.	जंगलों को काटने का क्या मतलब होगा ? a) खेत बनाना b) भूमि को आरक्षित करना c) फर्नीचर बनाना d) रास्ता बनाना	1

4.	इस गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक सुझाईये और उसकी पुष्टि कीजिए | शीर्षक - प्रकृति क्योंकि प्रस्तुत गद्यांश में प्रकृति और उससे जुडी समस्याओं का वर्णन किया गया है |	2
5.	भारत के किन प्रदेशों के जंगलों की कटाई हो रही है और इसका क्या परिणाम होगा ? भारत के विभिन्न प्रदेशों विशेषकर पूर्वांचल के राज्यों, तराई,उत्तर प्रदेश ,हिमाचल प्रदेश आदि के जंगल भरी संख्यां में काटे जा रहे है ।	2
II	सत्साहसी व्यक्ति में एक गुप्त शक्ति रहती है, जिसके बल से वह दूसरे मनुष्य को दु:ख से बचाने के लिए प्राण तक देने को प्रस्तुत हो जाता है। धर्म, देश, जाति और परिवार वालों के ही लिए नहीं, किन्तु संकट में पड़े हुए अपरिचित व्यक्ति के सहायतार्थ भी उसी शक्ति की प्रेरणा से वह हमारे संकटों का सामना करने को तैयार हो जाता है। अपने प्राणों की वह लेशमात्र भी परवाह नहीं करता। हर प्रकार के क्लेशों को प्रसन्नतापूर्वक सहता और स्वार्थ के विचारों को वह फटकने तक नहीं देता।सत्साहस के लिए अवसर की राह देखने की आवश्यकता नहीं, क्योंकि सत्साहस दिखाने का अवसर प्रत्येक मनुष्य के जीवन में पल-पल में आया करता है। देश, काल और कर्त्तव्य का विचार करना चाहिए और स्वार्थरहित होकर साहस न छोड़ते हुए कर्तव्य-परायण बनने का प्रयत्न करना चाहिए।	
6	सत्साहसी व्यक्ति के पास कौन-सी शक्ति रहती है? (सही उत्तर का चयन कीजिए) (a) दैवी शक्ति (b) धन की शक्ति (c) गुप्त शक्ति (d) शारीरिक शक्ति	
7	सत्साहसी व्यक्ति इनका मुकाबला करने को तैयार हो जाता है (a) संकटों का (b) विरोधियों का (c) कमज़ोर व्यक्तियों का (d) सबका	
8	.....सत्साहसी व्यक्ति के पास नहीं फटकते। (सही कथन का चयन कीजिए) (a) प्रसन्नता के विचार (b) क्लेश के विचार (c) सहायता के विचार (d) सहयोग के विचार	
9	सत्साहस दिखाने का अवसर कब आता है? सत्साहस के लिए अवसर की राह देखने की आवश्यकता नहीं, क्योंकि सत्साहस दिखाने का अवसर प्रत्येक मनुष्य के जीवन में पल-पल में आया करता है।	
10	हमें कैसे कर्तव्य-परायण बनने का प्रयत्न करना चाहिए। देश, काल और कर्त्तव्य का विचार करना चाहिए और स्वार्थरहित होकर साहस न छोड़ते हुए कर्तव्य-परायण बनने का प्रयत्न करना चाहिए।	

	व्यावहारिक व्याकरण	
III	निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर निर्देशानुसार लिखिए	
11	'विस्मयबोधक' वाक्य का उदहारण लिखिए वाह ! कितना सुन्दर घर है |	1

12	तुम उधर मत बैठो | - वाक्य भेद लिखिए आज्ञावाचक	1
13	उसने झूट नहीं बोला | -वाक्य को विधानवाचक वाक्य में बदलिए उसने झूट बोला |	1
14	प्रकृति का संतुलन बिगड़ने का कार्य कौन कर रहा है ?- वाक्य भेद पहचानिए प्रश्नवाचक	1
15	'संकेतवाचक' का उदहारण लिखिए | बारिश होने के कारन हम नहीं खेल पाए	1
16	दो अनुनासिक शब्दों का उदहारण लिखिए काँच साँप	2
17	निम्नलिखित शब्दों के उचित स्थान पर अनुस्वार का चिन्ह लगाईए - ' कपन , सकट' कंपन संकट	2
18	संधि किसे कहते और उसके कितने भेद होते है ? संधि के तीन प्रकार होते हैं: स्वर संधि, व्यंजन संधि, और विसर्ग संधि। स्वर संधि के पाँच उप-प्रकार हैं: दीर्घ, गुण, वृद्धि, यण, और अयादि। 'संधि' शब्द का अर्थ है मेल। दो निकटवर्ती वर्णों या ध्वनियों के बीच होने वाले आपसी मेल से होने वाले परिवर्तन को संधि कहा जाता है।	2
19.	स्वर + अक्षर = स्वराक्षर - संधि का भेद लिखिए स्वर संधि [दीर्घ]	1
20	उचित उपसर्ग का प्रोग कर दिए गए शब्दों से नए वाक्य बनाईये - ' सत्य , शासन' अ + सत्य = असत्य अनु + शासन = अनुशासन	2
21	' बीमारी , वैज्ञानिक' - दिए गए शब्दों के प्रत्यय और मूल शब्द को अलग कीजिए बीमार + ई विज्ञान + इक	2
	पाठ्यपुस्तक	7
IV	<u>निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए</u>	1X3=3
	इन नए बसते इलाकों में जहाँ रोज़ बन रहे हैं नए-नए मकान मैं अकसर रास्ता भूल जाता हूँ। धोखा दे जाते हैं पुराने निशान खोजता हूँ ताकता पीपल का पेड़ खोजता हूँ ढहा हुआ घर और ज़मीन का खाली टुकड़ा जहाँ से बाएँ	

	मुड़ना था मुझे फिर दो मकान बाद बिना रंगवाले लोहे के फाटक का घर था इकमंज़िला और मैं हर बार एक घर पीछे चल देता हूँ या दो घर आगे ठकमकाता यहाँ रोज़ कुछ बन रहा है रोज़ कुछ घट रहा है यहाँ स्मृति का भरोसा नहीं।	
22	प्रस्तुत पद्यांश में कवि रास्ता क्यों भूल जाता है? (क) नए नए मकान बनने से (ख) नए इलाके बसने से (ग) कवि की स्मृति घट रही है (घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं	1
23	“यहाँ रोज़ कुछ बन रहा है रोज़ कुछ घट रहा है यहाँ स्मृति का भरोसा नहीं” यह पंक्ति कवि किसके लिए कह रहा है? (क) स्वयं के लिए (ख) नए इलाके के लिए (ग) इस नई दुनिया के लिए (घ) अपने गांव के लिए	1
24	प्रस्तुत पद्यांश में कवि को कौन धोखा दे जाता है? (क) नई गलियां (ख) पुराने निशान (ग) एकमंजिला घर (घ) ढहा हुआ घ	1
25	प्रस्तुत पद्यांश में कवि किसको खोज रहा है? (क) अपने परिवार को (ख) ढहे हुए घर को (ग) अपने नगर को (घ) अपने घर को	1
26	प्रस्तुत पद्यांश के कवि का नाम ? (क) अरुण कमल (ख) निराला (ग) रामधारी सिंह दिनकर (घ) सुमित्रानंदन पन्त	1

V	निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए	1X4=4
	आज तुम्हारे आगमन के चतुर्थ दिवस पर यह प्रश्न बार-बार मन में घुमड़ रहा है-तुम कब जाओगे, अतिथि?तुम जहाँ बैठे निस्संकोच सिगरेट का धुआँ फेंक रहे हो, उसके ठीक सामने एक कैलेंडर है। देख रहे हो ना! इसकी तारीखें अपनी सीमा में नम्रता से फड़फड़ाती रहती हैं। विगत दो दिनों से मैं तुम्हें दिखाकर तारीखें बदल रहा हूँ। तुम जानते हो, अगर तुम्हें हिसाब लगाना आता है कि यह चौथा दिन है, तुम्हारे सतत आतिथ्य का चौथा भारी दिन! पर तुम्हारे जाने की कोई संभावना प्रतीत नहीं होती।लाखों मील लंबी यात्रा करने के बाद वे दोनों एस्ट्रोनॉट्स भी इतने समय चाँद पर नहीं रुके थे, जितने समय तुम एक छोटी-सी यात्रा कर मेरे घर आए हो। तुम अपने भारी चरण-कमलों की छाप मेरी ज़मीन पर अंकित कर चुके, तुमने एक अंतरंग निजी संबंध मुझसे स्थापित कर लिया, तुमने मेरी आर्थिक सीमाओं की बैंजनी चट्टान देख ली; तुम मेरी काफ़ी मिट्टी खोद चुके।अब तुम लौट जाओ, अतिथि! तुम्हारे जाने के लिए यह उच्च समय अर्थात हाईटाइम है। क्या तुम्हें तुम्हारी पृथ्वी नहीं पुकारती ?	
27	लेखक के घर में अतिथि को कितने दिन हो गए थे? 1) दो 2) चार 3) पाँच 4) तीन	1
28	लेखक अतिथि से क्या चाहता है? 1) वह लेखक के ही घर में रहे 2) एक-दो दिन और रुकें 3) वह जल्दी चला जाए 4) इनमें से कोई नहीं	1
29	लेखक को अतिथि से क्या उम्मीद थी? 1) वह कुछ काम करेगा 2) वह लेखक की मदद करेगा 3) वह अगले ही दिन चला जाएगा 4) इनमें से कोई नही	1
30	पाठ का नाम चुनिए ? 1. आ जाओ अथिथि 2. तुम कब जाओगे ,अतिथि 3. अतिथि , तुम कब जाओगे 4. इनमे से कोई नहीं	
31	प्रस्तुत गद्यांश के लेखक का नाम चुनकर लिखिए 1. आकाश जोशी 2. शरद जोशी 3. अम्बर जोशी 4. जोशी कुमार	
	खंड ब- वर्णनात्मक प्रश्न	
	पाठ्यपुस्तक	
VI	निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए	3x 3=9

32	जब अतिथि चार दिन तक नहीं गया तो लेखक के व्यवहार में क्या-क्या परिवर्तन आए? उत्तर- जब अतिथि चार दिन के बाद भी घर से नहीं टला तो लेखक़ के व्यवहार में निम्नलिखित परिवर्तन आए • उसने अतिथि के साथ मुसकराकर बात करना छोड़ दिया। मुसकान फीकी हो गई। बातचीत भी बंद हो गई। • शानदार भोजन की बजाय खिचड़ी बनवाना शुरू कर दी। • वह अतिथि को 'गेट आउट' तक कहने को तैयार हो गया। उसके मन में प्रेमपूर्ण भावनाओं की जगह गालियाँ आने लगीं।	
33	दुख का अधिकार पाठ के आधार पर बताइए कि मनुष्य के जीवन में पोशाक का क्या महत्व है? उत्तर: दुख का अधिकार पाठ में लेखक पोशाक की उपयोगिता का वर्णन करते हुए कह रहे हैं कि मनुष्यों की पोशाकें उन्हें विभिन्न श्रेणियों में बाँट देती हैं। हमारी पोशाक ही समाज में मनुष्य का अधिकार और उसका दर्ज़ा निश्चित करती है। हमारी पोशाक हमारे लिए अनेक बंद दरवाज़े खोल देती है। साधारणतय: घर के बाहर मनुष्य अपनी पोशाक के कारण ही पहचाना जाता है।	
34	बाजार के लोग स्त्री के विषय में क्या क्या बात कह रहे थे अपने शब्दों में बताइए? उत्तर: बाजार के लोग स्त्री के विषय में बड़े ही घृणा पूर्ण शब्द कह रहे थे। एक व्यक्ति थूकता हुआ उसे "बेहया" बोलता है, और दूसरा व्यक्ति अपनी दाढ़ी खुजाता हुआ उसे बोलता है कि जैसी नियत होती है, अल्लाह उसे वैसे ही बरकत देता है। फुटपाथ पर खड़े एक व्यक्ति ने दियासलाई से कान को जाते हुए कहा कि इनके जैसे लोगों लिए रिश्ते और धर्म सब रोटी के टुकड़े के बराबर हैं।	
35	महादेव जी के किन गुणों ने उन्हें सबका लाडला बना दिया था? उत्तर- महादेव भाई गांधी जी के लिए पुत्र के समान थे। वे गांधी का हर काम करने में रुचि लेते थे। गांधी जी के साथ देश भ्रमण तथा विभिन्न गतिविधियों में हिस्सा लेते थे। वे गांधी जी की गतिविधियों पर टिप्पणी करते थे। महादेव जी की लिखावट बहुत सुंदर, स्पष्ट थी। वे इतना शुद्ध लिखते थे कि उसमें मात्रा और कॉमा की भी अशुधि नहीं होती थी। वे पत्रों का जवाब जितनी शिष्टता से देते थे, उतनी ही विनम्रता से लोगों से मिलते थे। वे विरोधियों के साथ भी उदार व्यवहार करते थे। उनके इन्हीं गुणों ने उन्हें सभी का लाडला बना दिया।	
VII	निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए	3x 3=9
36	प्रेम का धागा टूटने पर पहले की भाँति क्यों नहीं हो पाता? उत्तर – जिस प्रकार जब कोई धागा टूट जाता है और उस टूटे हुए धागे को जोड़ने के लिए उसमें गाँठ लगानी पड़ती है। जिसके कारण वह पहले की तरह नहीं हो पाता, उसी तरह से जब कोई रिश्ता टूट जाता है और उस रिश्ते के टूटने के बाद रिश्तों को फिर जोड़कर पहले की तरह नहीं बनाया जा सकता	
37	'खुशबू रचते हैं हाथ' में कौन-सी समस्या समाज के लिए घातक है? उत्तर किसी भी समाज, देश के बच्चे ही उसका भविष्य होते हैं। इन बच्चों के बाल मजदूर के रूप में काम करने से वे पढ़ लिख नहीं सकेंगे। उनके खेलने-कूदने के दिन मजदूरी करने में बीत रहे हैं। ऐसे में ये	

	बच्चे आजीवन मजदूर बनकर रह जाएँगे। बाल मजदूरी की यह समस्या समाज और राष्ट्र के लिए घातक है।	
38	रैदास के पद के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि रैदास की उनके प्रभु के साथ अटूट संबंध हैं। उत्तर- पठित पद से ज्ञात होता है कि रैदास को अपने प्रभु के नाम की रट लग गई है जो अब छुट नहीं सकती है। इसके अलावा कवि ने अपने प्रभु को चंदन, बादल, चाँद, मोती और सोने के समान बताते हुए स्वयं को पानी, मोर, चकोर धाग और सुहागे के समान बताया है। इन रूपों में वह अपने प्रभु के साथ एकाकार हो गया है। इसके साथ कवि रैदास अपने प्रभु को स्वामी मानकर उनकी भक्ति करते हैं। इस तरह उनका अपने प्रभु के साथ अटूट संबंध है।	
39	अग्नि पथ' कविता थके-हारे निराश मन को उत्साह एवं प्रेरणा से भर देती है। स्पष्ट कीजिए। उत्तर- मनुष्य का जीवन संघर्षों से भरा है। उसके जीवन पथ को कठिनाइयाँ एवं विघ्न-बाधाएँ और भी कठिन बना देते हैं। मनुष्य इनसे संघर्ष करते-करते थककर निराश हो जाता है। ऐसे थके-हारे और निराश मन को प्रेरणा और नई ऊर्जा की आवश्यकता होती है। यह कविता मनुष्य को संघर्ष करने की प्रेरणा ही नहीं देती है, वरन् जीवन पथ में मिलने वाली छाया देखकर न रुकने, सुख की कामना न करने तथा कठिनाइयों से हार न मानने का संदेश देती है। इसके अलावा इस कविता से हमें पसीने से लथपथ होने पर भी बढ़ते जाने के लिए प्रेरणा मिलती है। इससे स्पष्ट है कि अग्नि पथ कविता थके-हारे मन को उत्साह एवं प्रेरणा से भर देती है।	
	लेखन	[13]
VIII	निम्नलिखित में से किसी 1 विषय पर दिए गए संकेत -बिंदुओं के आधार पर लगभग 80 -100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए ● प्रस्तुतीकरण ● व्याकरणशुद्धि ● वाक्य संरचना	6
IX	● प्रस्तुतीकरण ● व्याकरणशुद्धि ● वाक्य संरचना	6
X	● प्रस्तुतीकरण ● व्याकरणशुद्धि ● वाक्य संरचना	6
XI	● प्रस्तुतीकरण ● व्याकरणशुद्धि ● वाक्य संरचना	6